(ख) यदि हां, तो करार के अनुसार यह व्यय दोनों देशों द्वारा किस अनुपात से वहन किया जाना था; और

(ग) कच्छ न्यायाधिकरण पर व्यय हुई विदेशी मुद्रा में कितनी मुद्रा का भार भारत सरकार द्वारा वहन किया गया है ?

वैदेशिक कार्य-मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ब० रा० भगत) : (क) भारत पाकिस्तान पश्चिमी सीमा मुकद्दमा न्यायाधिकरण का फरवरी 1966 में जो पहला अधिवेशन हुआ था उसमें न्यायाधिकरण ने प्रक्रिया सम्बधी कुछ नियम अपनाये थे जिनके अनुसार प्रत्येक पक्ष अपनी लागत अदा करेगा। न्यायाधिकरण के सदस्यों, और महासचिव के पारिश्रमिक और व्यय को तथा न्यायाधिकरण के खर्च को दोनों पक्ष बराबर-बराबर उठाएगे ये प्रक्रिया सम्बन्धी नियम दोनों पक्षों की सहमति से किए गए थे।

(ख) न्यायाधिकरण द्वारा स्वीकृत प्रक्रिया संबंधी नियमों के अतर्गत, दोनों देशों को बराबर-बराबर खर्च उठाना था।

(ग) भारत सरकार ने न्यायाधिकरण के सदस्यों और महासचिव के पारिश्रमिक और व्यय तथा न्यायाधिकरण के खर्च के रूप में भारत के हिस्से के 160,000 डालर विदेशी मुद्रा में दे दिए हैं।

पाकिस्तान में गुरुद्वारों के कैश बक्सों का हटाया जाना

*873. **श्री शिव कुमार शास्त्री**
श्री राम चरण :

क्या वैदेशिक-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पाकिस्तान में गुरुद्वारों के कैश बक्सों को 'मुस्लिम वक्फ बोर्ड द्वारा जबर्दस्ती तोड़ा गया था और उसमें से नकद धन निकाल लिया गया था ; और

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

वैदेशिक-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ब० रा० भगत): (क) जी, हां।

(ख) सरकार ने इस बारे में पाकिस्तान सरकार से विरोध प्रकट किया है।

Complaints from Indians in Fiji

*874. SHRI A. SREEDHARAN:
SHRI KAMESHWAR SINGH:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government have recently received any complaint from the Indians living in Fiji;

(b) if so, the nature thereof; and

(c) the action taken in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI B. R. BHAGAT): (a) No, Sir.

(b) and (c). Do not arise.

Repatriation of Indians Detained in Burma

*875. SHRIMATI JYOTSNA CHANDA:
SHRI YASHPAL SINGH:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 4795 on the 18th December, 1967 and state:

(a) the up-to-date progress made in the matter of repatriation of Indian nationals detained in Burma for the so-called 'economic offences';

(b) whether this matter was discussed with Gen. Ne Win, the Chairman of Burma's Revolutionary Council during his recent visit to India; and

(c) if so, the outcome thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI B. R. BHAGAT): (a) All Indian detenus detained for economic offences before 27th May, 1964 have been released and most of them have come to India. The few who are in Burma are in the process of leaving. Those arrested for offences committed after 27th May, 1964 number 24, of whom 2 are on bail and 22 are in jail. The Government of Burma is reviewing each case on its merits.

(b) and (c). Yes, Sir. The Government of Burma has appointed a Committee to examine the question and it is hoped that this will expedite decisions on the cases.

कच्छ पंचाट के बारे में पाकिस्तान का प्रचार

*876. **श्री शशि भूषण बाजपेयी :**
श्री वेणी शंकर शर्मा :

क्या वैदेशिक-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान इस बात की ओर दिलाया गया है कि कच्छ पंचाट के सम्बन्ध में पाकिस्तानी समाचार पत्र तथा रेडियो भारत के विरुद्ध धमकियों भरे और घृणास्पद प्रचार में जुटे हुए हैं; हालांकि भारत सरकार कच्छ पंचाट को क्रियान्वित करने के लिये स्वयं प्रयत्नशील हैं; और

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

वैदेशिक-कार्य मंत्रालय में राजस्व मंत्री (श्री ब० रा० भगत) (क) और (ख). दूसरी बातों की तरह ही कच्छ पंचाट पर भी पाकिस्तान के प्रचारक भारत के खिलाफ अपना सामान्य रवैया ही अपना रहे हैं। सरकार का विश्वास है कि इस प्रकार के झूटे और निरर्थक प्रचार के बावजूद, जिसके प्रतिकार का भी जरूरत नहीं, भारत की स्थिति को सब अच्छी तरह समझते हैं। अपने दृष्टिकोण को समझाने के लिए हर आवश्यक कदम उठाया जाता है।

Consultations between India and Burma *re*: Activities of Nagas and Mizos

*877. SHRI PREM CHAND VERMA:
SHRI SRINIBAS MISHRA:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether there have been consultations between the Government of India and the Government of Burma on the question of jointly curbing the activities of the hostile Nagas and Mizos;

(b) if so, whether any agreement has been reached between the two Governments on measures to be adopted in this connection; and

(c) if so, the broad details thereof?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SURENDRA PAL SINGH): (a) to (c). Our two Governments naturally consult with each other on all matters of mutual interest. The House will appreciate that it would not be desirable to say anything more beyond this.

Islands under India's Control

*878. SHRI SHIVA CHANDRA JHA:
SHRI A. SREEDHARAN:
SHRI KANWAR LAL GUPTA:
SHRI SHRI GOPAL SABOO:
SHRI BHARAT SINGH CHAUHAN:
SHRI R. S. VIDYARTHI:
SHRI KAMESHWAR SINGH: